सामाजिक विज्ञान एवं विज्ञान के शिक्षण में माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, रूचि एवं सृजनात्मकता बढ़ाने में ब्लेंडेड लर्निंग की प्रभावशीलता का अध्ययन

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, कामेश्वरनगर, दरभंगा

के अंतर्गत शिक्षा विषय में

पीएच. डी. उपाधि हेतु उपस्थित

शोध प्रारूप (2021—2022)

निर्देशिका

डॉ0 रेणु कुमारी

एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ0 जाकिर हुसैन शिक्षक प्रशिक्षण म्हाविद्यालय, दरभंगा

शोधार्थी

नेहा कुमारी

Roll No.-21

PAT-2021-2022

1. **शोध शीर्षक**–सामाजिक विज्ञान एवं विज्ञान के शिक्षण में माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, रूचि एवं सृजनात्मक बढ़ाने में ब्लेंडेड लर्निंग की प्रभावशीलता का अध्ययन।

2. **प्रस्तावना**–ब्लेंडेड लर्निंग अर्थात मिश्रित अधिगम एवं अभिनव अवधारणा है। यह वो संकल्प है जो कक्षा और आईसीटी समर्थित शिक्षण दोनों में, ऑफलाइन शिक्षण और ऑनलाइन शिक्षण में भी पारंपरिक शिक्षाओं के लाभों को श्रेष्ठ बनाती है। वर्तमान में शिक्षा प्रणाली एक निरंतर परिवर्तित अवस्था में हैं। शिक्षा की चुनौतियों को पूरा करने के लिए और व्यक्तियों की जरूरतों को निभाने के लिए नई तकनीकों को अपनाने और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक अवसरों के लक्ष्य तक पहुँचने के लिए नए रास्ते तलाशने की आवश्यकता है। परिणामस्वरूप, डिजिटल शिक्षण के उपकराणों को पारंपरिक व्यक्तिगत शिक्षण के साथ संयोजित करने की कला ने "मिश्रित शिक्षण" को जन्म दिया है। "ज्योति वर्मा (2019) ने अपने अध्ययन में पाया है कि शिक्षा में हो रहे अमूलचुल परिवर्तन और मिश्रित शिक्षा की पूर्वापेक्षाओं से निपटने के लिए किया गया है। यह केवल आमने–सामने की पद्धति और ऑनलाइन पद्धति का मिश्रण नही है, बल्कि यह मुख्य रूप से इन दोनों पद्धतियों के भीतर सार्थक गतिविधियों के नियोजित मिश्रण के संदर्भित करता है।"

मिश्रित प्रणाली शिक्षा या ब्लेंडेड लर्निंग एक औपचारिक शिक्षा कार्यक्रम हैं जिसमें विद्यार्थी पाठ्यक्रम का एक भाग कक्षा में पूरा करता हैं और दूसरा भाग डिजिटल एवं ऑनलाइन संसाधनों का प्रयोग करके सिद्ध करता है, ब्लेंडेड शिक्षा में समय, जगह, विधि, तथा गति का नियंत्रण विद्यार्थी के हाथ में है। ब्लेंडेड शिक्षा में ईंट और चुने से बने विद्यालय में पढ़ाये गये पाठ के साथ कम्प्यूटर समर्थित विद्या का मिश्रण होता है। ब्लेंडेड शिक्षा को प्रौद्योगिक समर्पित विद्या, बेब–वर्धित शिक्षा और मिश्रित

Nitha Kumari

शिक्षा प्रणाली भी कहा जाता है। आज, इंटरनेट एवं डिजिटल आधारित शिक्षा और कक्षा में पढ़ाये गये विद्या के मिश्रित शिक्षा कार्यक्रम को ब्लेंडेड कक्षा कहा जाता है।

आमने–सामने शिक्षण मिश्रित शिक्षण पारंपरिक कक्षा शिक्षण के लिए पूर्ण गुंजाइस प्रदान करता है। जहाँ छात्रों को अपने शिक्षकों के साथ बातचीत करने के लिए पर्याप्त समय मिलता है और इस प्रकार उनके व्यक्तित्व, व्यवहार और मूल्य प्रणाली से प्रभावित होते है। आमने–सामने बातचीत से समकालिक संचार में मदद मिलती है। शिक्षक और छात्र दोनों तत्काल प्रतिक्रिया प्राप्त करने में सक्षम हैं जो शिक्षण सीखने की प्रक्रिया के लिए अनुकूल है।

मिश्रित अधिगम का तत्पर्या विभिन्न शिक्षण परिवेश के मिश्रण से है। ''मिश्रित शिक्षण'' शब्द मायर्स (2000) द्वारा बीबीसी पर एक बातचीत में गढ़ा गया था। एक दृष्टिकोण के रूप में, यह आमने–सामने के निर्देश को कम्प्यूटर की मध्यस्थता वाले निर्देश के साथ जोड़ सकता है। यह कम्प्यूटर सेलुलर या स्मार्ट फोन, सेटेलाइट टेलीविजन चैनल, वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग और अन्य उभरते इलेक्ट्रॉनिक मिडिया का उपयोग करके शैक्षिक प्रौद्योगिकी की सहायता से विज्ञान या आईटी गतिविधियों को भी लागू करता है। शिक्षण और सीखने की गुणवत्ता में सुधार के लिए शिक्षार्थी और शिक्षक मिलकर काम करते हैं। ''गैरीसन और वॉन (2008) ने मिश्रित शिक्षा को विचारशील और प्रौद्योगिकियों का जैविक एकीकरण के रूप में परिभाषित किया है''।

3. संबंधित साहित्य का सर्वेक्षण

1. स्लोमन (2007) ने अपने पेपर में सुझाव दिया कि प्रौद्योगिकी से परे मिश्रित शिक्षा का उपयोंग किया जाना चाहिए। साथ ही प्रभावी प्रशिक्षण और सीखने के लिए इस शब्द पर व्यापक संदर्भ में विचार करने की

Nilha Kumari

आवश्यकता है। यह केवल डिलीवरी और प्रौद्योगिकी के बार में नहीं है। यह अलग–अलग सीखने की पद्धति के बारे में होना चालिए क्योंकि यह प्रशिक्षण वितरण के बारे में है। इस बारे में और अधिक समझने की आवश्यकता है कि शिक्षार्थियों को क्या प्रेरित करता है, उन्हें किस सहायता की आवश्यकता है और कैसे ये सहायक हस्तक्षेप सही ''मिश्रण'' के लिए व्यवहार में आ सकते है।,

2. वॉन (2007) ने इस दृष्टिकोण पर जोर दिया कि प्रभावी मिश्रित शिक्षा केवल मौजूदा पाठ्यक्रम पर प्रौद्योगिकी का बोल्टिंग'' नहीं है, बल्कि मिश्रित शिक्षा को पाठ्यक्रमों को विकसित, निर्धारित और वितरित करने के तरीके को फिर से डिजाइन करने के अवसर के रूप मं देखा जाना चाहिए। इसमें अधिक लचीलेपन के साथ अधिक सक्रिय, स्व–निर्देशित सीखने के अवसरों को प्रोत्साहित करने की क्षमता है।

3. शीला और अलीरेजा (2010) ने निष्कर्ष निकाला कि मिश्रित शिक्षण के मामले में कम्प्यूटर और दूरसंचार प्रौद्योगिकियों गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए प्रभावी उपकरण बन गई हैं। अध्ययन के अनुसार मिश्रित शिक्षण में तकनीकों का अपेक्षाकृत सहज सेट शामिल होता है और नवीन निर्देशात्मक डिजाइन की ओर ले जाता है। पेपर में मिश्रित शिक्षण नामक एक सीमा–पर, अनुदेशात्मक शिक्षण प्रणाली के डिजाइन की रूपरेखा दी गई है, जो नवीन दृष्टिकोणों उपयोग के माध्यम से अधिक प्रभावी सीखने और सीखने का अवसर प्रदान करता है जो लागत में वृद्धि के बिना प्रभावशीलता लाभ प्राप्त करने के लिए संचार प्रौद्योगिकी को एकीक्त करता है।

4. सुजलाना और वर्मा (2010) ने लीमर के दृष्टिकोण से आज के प्रतिस्पर्धा और जुझारू माहौल में मिश्रित शिक्षा को अपनाने की आवश्यकता का पता लगाया । अध्ययन के मुताबिक, बढ़ते पर्यावरण में जबरदस्त बदलाव आया

Neha Kumari

है। प्रबंधकीय प्रभावशीलता पर मिश्रित शिक्षा के प्रभाव का एक अध्ययन पिछले कुछ दशकों की तुलना में उन्होंने सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से पर्यावरण में बदलाव की जाँच की और मिश्रित शिक्षण कार्यक्रमों की लोकप्रियता को दर्शाया । उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि मिश्रित शिक्षा शिक्षार्थियों और प्रशिक्षकों को अधिक प्रभावी ढ़ंग से सीखने और सिखाने के लिए एक संभावित वातावरण प्रदान करता है।

5. अमरकवि और राजशेखर (2016) ने कुछ चर से संबंधित मिश्रित शिक्षा पर शिक्षकों की जागरूकता पर एक अध्ययन किया। मिश्रित शिक्षण के प्रति एक आश्रित चर जागरूकता और मिश्रित शिक्षण के प्रति चार स्वतंत्र चर दृष्टिकोण, आईसीटी रूचि, निर्देशात्मक सहायता के उपयोग के प्रति चिंता और कथित तकनीकी शैक्षणिक क्षमता का उपयोग किया गया। इस अध्ययन के लिए मानक सर्वेक्षण पद्धति अपनाई गई। उच्च माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत 830 शिक्षकों को सरल यादृच्छिक तकनीक की सहायता से नमूने के रूप में चुना गया था। अकेले नागपट्टिनम जिले में कार्यरत उच्च माध्यमिक शिक्षकों को इस अध्ययन के लिए नमूने के रूप में शिक्षण की नई नवीन शिक्षण पद्धति का उपयोग करने में मदद मिली।

6. इरवान, एट अल. (2019) ने मिश्रित शिक्षा पर छात्रो की रूचि के विश्लेषण पर एक अध्ययन किया। इस अध्ययन का उद्देश्य मिश्रित शिक्षण मॉडल का उपयोग करके सीखने की प्रक्रिया में छात्रों की रूचि का विश्लेषण करना है। ब्लेंडेड लर्निंग एक शिक्षण मॉडल है जिसमें ऑफलाइन शिक्षण या ऑनलाइन व्याख्या के साथ अनुपातिक रूप से आमने–सामने सीखने शामिल है।

7. यंग, एल. (2019) ने अध्ययन का पता लगाया कि मिश्रित शिक्षा के आधार पर कम्प्यूटर अनुप्रयोग के शिक्षण में सुधार किया गया है। इस अध्ययन ने एक कार्य–आधारित मिश्रित शिक्षा पद्धति का निर्माण किया और कम्प्यूटर

Neha Kumari

अनुपयोग बुनियादी सिद्धांतो के ऑनलाइन पाठ्यक्रम मंच की सहायता से इस पद्धति के आधार पर शिक्षण अभ्यास किया। इसके अलावा शोध ने पाठ्यक्रम के शिक्षार्थियों को अन्वेषण की वस्तु के रूप में लिया और शिक्षण सीखने में विधि की प्रभावशीलता का एक संक्षिप्त विश्लेषण किया। संधाई पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय की पहली कक्षा के विभिन्न बड़ी कंपनियों के 170 छात्रों को इस अध्ययन के नमूने के रूप में चुना गया था और कम्प्यूटर एप्लीकेशन फाउंडेशन के पाठ्यक्रम को सीखने के लिए कार्य आपचारित मिश्रित शिक्षण पद्धति का संचालन किया गया था।

8. शिवकुमार (2019) ने दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से शिक्षक कार्यक्रम में मिश्रित शिक्षा की प्रभावशीलता पर एक अध्ययन किया। इस अध्ययन में एक प्रायोगिक अध्ययन किया गया है। अध्ययन का नमूना दूरस्थ मोड के माध्यम से बैचलर ऑफ एजुकेशन प्रोग्राम में पढ़ रहे 40 सेवारत द्वितीय श्रेणी के शिक्षकों का था और उन्हें नियंत्रण और प्रयोगात्मक समूहों के रूप में वर्गीकृत बीस के दो समूहों के सामान रूप से विभाजित किया गया थां। अध्ययन के विश्लेषण से स्पष्ट रूप से पता चला कि परीक्षण के बाद प्रयोगात्मक समूह का प्रदर्शन नियंत्रण समूह के प्रदर्शन से अधिक था। अतः व्याख्यान पद्धति पर मिश्रित शिक्षण पद्धति की श्रेष्ठता को दर्शाता है। अंत में अध्ययन से निष्कर्ष निकाला कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम मिश्रित शिक्षा का प्रभावी ढ़ंग से उपयोग किया जा सकता हैं।

9. जॉं टॉंडेउर और ब्रेम बुगेमेन (2021) ने बोलने वाले विशेषज्ञों के बारें में अध्ययन कियाः उच्च शिक्षा में मिश्रित शिक्षा को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण शिक्षक गुण। वर्तमान गुणात्मक अध्ययन विशेषज्ञों के दृष्टिकोग से मिश्रित शिक्षण कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण शिक्षक विशेषताओं की जाँच करता है विशेषज्ञ जटिल संगठनात्मक समस्याओं की गहरी

Neha Kumari

संरचनाओं का विश्लेषण कर सकते है और प्रक्रिया ज्ञान रख सकते हैं जो व्यावहारिक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है।

10.हंग और मियाओं (2009) ने एक प्रयोगिक अध्ययन किया जिसमें मिश्रित शिक्षा ने ताइवान के प्राथमिक विद्यालय में विभिनन क्षमता स्तरों वाले छठी कक्षा के छात्रों को पर्यावरण में उनकी उपलब्धियों के संदर्भ में प्रभावित किया है।

प्रयोग के परिणाम है : (1) पर्यावरण शिक्षा पर पोस्टटेस्ट में शिक्षण दृष्टिकोण और सीखने की क्षमता के बीच कोई स्पष्ट बातचीत नहीं पाई गई है (2) मिश्रित शिक्षा को स्वीकार करने वाले विषय दूसरे समूह की हटना में बेहतर उपलब्धियों प्रदर्शित करते है': (3) उच्च सीखने की क्षमता वाले छात्रों की उपलब्धियाँ निम्न लोगों की तुलना में अधिक होती हैं : (4) विभिनन शिक्षण दृष्टिकोणों के साथ कम सीखने की क्षमता वाले छात्र पर्यावरण शिक्षा पर पोस्टटेस्ट में उल्लेखनीय अंतर दिखाते है।

4. शोध के उद्देश्य

1. माध्यमिक विद्यालय के सामाजिक विज्ञान विषय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, रूचि एवं सृजनात्मकता बढ़ाने में Blinded Learning की प्रभावशीलता का अध्ययन करना।
2. माध्यमिक विद्यालय के विज्ञान विषय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, रूचि एवं सृजनात्मकता बढ़ाने में Blended earning की प्रभावशीलता का अध्ययन करना।
3. माध्यमिक विद्यालय के सामाजिक विज्ञान एवं विज्ञान विषय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्ध्यि, रूचि एवं सृजनात्मकता बढ़ाने में Blended earning की प्रभावशीलता का अध्ययन करना।

Nitin Kumar

5. शोध की परिकल्पना

1. माध्यमिक विद्यालय के सामाजिक विज्ञान एवं विज्ञान विद्यार्थियों की Blended earning एवं शैक्षिक उपलब्धि रूचि एवं सृजनात्मकता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।
2. माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की Blended earning एवं रूचि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।
3. माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की Blended earning एवं सृजनात्मकता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।
4. माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का ब्लेंडेड लर्निंग एवं शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।
5. माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का ब्लेंडेड लर्निंग एवं रूचि के बीच कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।
6. माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का ब्लेंडेड लर्निंग एवं सृजनात्मकता के बीच कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।
7. माध्यमिक विद्यालय के छात्राओं का ब्लेंडेड लर्निंग एवं शैक्षिक उपलब्धि के बीच कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।
8. माध्यमिक विद्यालय के छात्राओं का ब्लेंडेड लर्निंग एवं रूचि के बीच कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।
9. माध्यमिक विद्यालय के छात्राओं का ब्लेंडेड लर्निंग एवं रूचि के बीच कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

6. अध्ययन का सीमांकन

अनुसंधानकर्त्ता वर्तमान अध्ययन दरभंगा नगर के माध्यमिक विद्यालयों के वर्ग 9–10 के सामाजिक विज्ञान एवं कला विषयों तक के छात्र एवं

Neha Kumari

छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि, रूचि एवं सृजनात्मकता बढ़ाने में Blinded Learning की प्रभावशीलता अध्ययन किया जायेगा।

7. अध्ययन की पद्वति

- जनसंख्या एवं प्रतिदर्शः— प्रस्तुत शोध प्रारूप में दरभंगा नगर के माध्यमिक विद्यालय (5 सरकारी 5 निजी विद्यालय) के वर्ग 9—10 के 400 विद्यार्थियों (200—200 छात्र—छात्राएँ) का यादृच्छिक रूप से जनसंख्या का चयन किया जायेगा।
- शोध के उपकरणः— प्रस्तुत शोध के लिय निम्नलिखित उपकराणों का चयन किया जायेगाः—

(क) उपलब्धि परीक्षण

(ख) रूचि परिक्षण

(ग) सृजनात्मकता परिक्षण

व्यक्तिगत प्रश्नावली शोधकर्ता द्वारा तैयार किया।

नोट— प्रस्तुत शोध प्रारूपों में वर्णित शोध तिथियों, प्रतिधियों, उपकरण आदि शोध कार्य की आवश्यकतानुसार बदलाव अपेक्षित।

- शोध अध्ययन के लिए शोधकर्त्ता द्वारा वर्णनात्मक एवं सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया जाएगा।
- प्रतत्तों का संग्रहः— अनुसंधानकर्ता विद्यालयों में उपस्थित होकर प्राथमिक तथा द्वितीय स्त्रोतो से प्रदत्तों का संग्रह करेगा।
- प्रदत्तों का विश्लेषण तथा व्याख्याः— प्रदत्तों के विश्लेषण के लिए औसत T-ratio एवं Anova का प्रयोग किया जायेगा।

8. परिणाम एवं विश्लेषण

परिणाम के आधार पर अध्ययन का विश्लेषण किया जायेगा।

Neha Kumari

9. अध्यायीकरण

प्रस्तुत अध्ययन के लिए शोध को निम्न अध्यायों मे बाँटा जायेगा:–

अध्यया–I

1. प्रस्तावना

1.1 समस्या

1.2 उद्देश्य

1.3 परिकल्पना

अध्यया–II

2. संबंधित साहित्य का सर्वेक्षण

अध्यया–III

3. शोध विधियाँ एवं तरीके

3.1 चर

3.2 शोध प्रारूप

3.3 जनसंख्या

3.4 प्रतिदर्श

3.5 उपकरण

3.6 सांख्यिकीय विश्लेषण

अध्यया–IV

4. परिणाम एवं वाद–विवाद

अध्यया–V

5. सारांश एवं निष्कर्ष

संदर्भ

ग्रन्थ सूची

अनुबंध

04-02-24 Neha Kumari

संदर्भ

1. Sloman Martgn (2007). Making sense of blended learning industrial & commercial training, Vol. 39 ISS : 6, PP. 315-318
2. Hong, R.C., & Miao, J.H. (2009), The effect of bliended learning model for elementary school environment education. IEEE computey Society. Procpeding of the 2009 first international workshop on education on technology & computer science. Volume 03, Washington, DC, USA
3. Irwan:, Rita Angraini., Monica Tiara., (2019), Analysis of student interest on blended learning advance in social sceience, education & Humanity Research, 458 (1), 329-334
4. Ilona V and Sedereviciute P. (2020), The change in students' Attituede towards favourable and unfavourable factors of online learning envirnonments sustainability, 12(9),1-14
5. Jo Tondeur & Bram B. (2021), Experts speaking: crucial teacher attributes for implementing blended learning in higher education" The internet and Higher Education, 48 (1) 1-11
6. Sharma J (2021), Effect of blended learing on achievement in English & academic anxiety of secondary school students in relation to efficacy, Panjab University, P-X Viii , 320 P

04-02-24

(Dr. Renu Kumari)

Dr. Renu Kumari
Associate Professor
Dr. Z.H.T.T. College,L.Sarai, Darbhanga

Neha Kumari